छात्र/छात्राओं को उनकी अभिरुचि के आधार पर उनके व्यवसायिक उद्देश्यों को पूर्ण करने संबंधित निर्णय लेने वाला नया साफ्टवेयर

अर्चना सिन्हा
असिस्टेंट प्रोफेसर, सांख्यिकी विभाग,
नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ(उ0 प्र0)–226004, भारत
archnabihari@gmail.com

डॉ0 अर्चना सिन्हा, असिस्टेंट प्रोफेसर, सांख्यिकी विभाग, नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ, द्वारा अपने मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट(यू0 जी0 सी0, नई दिल्ली) के शोध कार्य के दौरान ऐसे साफ्टवेयर का निर्माण किया गया है जिससे स्नातक छात्र/छात्राओं को अपनी अभिरुचि के आधार पर व्यवसायिक उददेश्यों का सही चयन करने एवं उसको पूर्ण करने में पर्याप्त मदद मिलेगी। डॉ0 अर्चना सिन्हा का मानना है कि स्नातक(बी0 ए0, बी0 कॉम0, बी0 एस सी0) स्तर पर प्रवेश के दौरान न केवल छात्र/छात्राओं को उनके पूर्व की कक्षाओं में प्राप्त अंकों को मुख्य आधार बनाया जाय परन्तु उनकी व्यक्तिगत रुचियों को भी विशेष स्थान प्राप्त हो। इसी को अपने शोध का मूल कारक बनाते हुए इस नवीन साफ्टवेयर का निर्माण किया गया है। डॉ0 अर्चना सिन्हा के अनुसार इसका प्रयोग शिक्षा जगत में क्रांति ला सकता है।

साफ्टवेयर का नाम एवं उसकी कार्य प्रणाली

इस साफ्टवेयर का नाम "**ए कंपलीट इनसाइट ऑफ अंडरग्रेजुएट–एकेडेमिक वर्सेज प्रोफेशनल इंटरेस्ट**" है। यह साफ्टवेयर ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों ही प्रकार से कार्य करने में सक्षम है। स्नातक छात्र/छात्राओं में इसके सरल एवं सुलभ प्रयोग को ध्यान में रखते हुए इसका एक मैनुअल भी तैयार किया गया है। जिन छात्र/छात्राओं के पास संगणक(कम्प्यूटर) की सुविधा उपलब्ध नहीं है, उनके लिए मैनुअल में संलग्न प्रश्नावली में सभी आवश्यक सूचनाएं भरकर संबंधित व्यक्ति के पास जमा कराना होगा। इस साफ्टवेयर की कार्यप्रणाली पाँच स्तरों से होकर गुजरती है। प्रत्येक स्तर में छात्र के एप्टीट्यूट, स्किल इंटरेस्ट, एकेडेमिक इंटरेस्ट, जीवन का लक्ष्य तथा व्यवसायिक रुझान की जानकारी प्राप्त की जाती है। संबंधित परिणाम, उक्त जानकारियां प्रश्नावली प्रपत्र में उपलब्ध कराने के एक सप्ताह के भीतर प्राप्त हो जाते हैं। इस साफ्टवेयर के निर्माण में उनकी प्रोजेक्ट फैलो, मिस दिव्या सिंह का भी योगदान सम्मिलित है। डॉ0 अर्चना सिन्हा से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह साफ्टवेयर शुल्क मुक्त है।

कम्प्यूटर माउस के जनक – डगलस एन्जेलबर्ट

इशिता द्विवेदी
टी0 सी0 एस0, गुडगॉव(हरियाणा)–122016,भारत
ishita.dwivedi14@gmail.com

कम्प्यूटर(अभिकलित्र या संगणक) संचालन में माउस की विशिष्ट भूमिका होती है। यह एक लम्बवत् अंडाकर तारयुक्त यंत्र है,जो कम्प्यूटर के कर्सर(प्रसंकेतर) को संचालित करता है। वर्तमान में इसका तार विमुक्त आप्टिकल माउस अवरूप भी प्रचलित है। व्यक्तिगत अभिकलित्र के अवतरण से पूर्व ही दूरदृष्टा विद्युत अभियंता डगलस एन्जेलबर्ट ने कम्प्यूटर माउस का अविष्कार कर लिया था। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित एस0आर0आई0 अन्तर्राष्ट्रीय शोध संस्थान में डगलस एन्जेलबर्ट के कार्यों ने 21 पेटेन्ट उत्पादित किये, जिनमें से अन्तिम, संख्या– 3541541 को 1970 में कम्प्यूटर माउस के लिए मान्यता दी गयी। इसी प्रयोगशाला में डगलस की अगुवाई में आधुनिक इन्टरनेट का पूर्ववर्ती अर्पानेट नेटवर्क का सृजन हुआ था। वर्तमान में सभी कम्प्यूटर लाभार्थी उनके कृतज्ञ हैं, कम्प्यूटर कुंजीपटल के तीर के अतिरिक्त अन्य विधि से अभिकलित्र पटल प्रसंकेतर को चलाने हेतु एन्जेलबर्ट ने 1963 में एक हथेली के आकार का चरखी आधारित काष्ठ का युक्ति संयंत्र का प्रार्दुभाव किया। उनके सहयोगी विलियम इंग्लिश ने उपानुक्रमी संशोधन का अवतरण किया। अंततः एन्जेलबर्ट ने 1964 में एक आदि प्रारूप बनाया तथा सैन फ्रैन्सिस्को के एक कम्प्यूटर सम्मेलन में 09 दिसम्बर 1968 को इस प्रस्तुति को सभी निरूपणों की जननी(द मदर आफ आल डेमोस) कहा गया। वर्ष 1997 में डगलस एन्जलबर्ट को उनके इस आविष्कार के लिए श्लेमेल्सन–एम0आई0टी0 पुरस्कार दिया गया। तत्पश्चात् वर्ष 2000 में अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिन्टन द्वारा "नेशनल मेडेल आफ टेक्नोलोजी एण्ड इन्नोवेशन" से सम्मानित किया गया। डगलस का जन्म 30 जनवरी 1929 को पोर्टलैन्ड के निकट ओरेगान में हुआ था तथा 88 वर्ष की आयु में गत 02 जुलाई 2013 को उनके निवास अर्थटन, कैलीफोर्निया में निधन हो गया।